डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश

DR. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY

सेक्टर–11, जानकीपुरम विस्तार योजना, लखनऊ–226031

पत्रांकः ए0के0टी0यू0/अधि0 छात्र क0/2023/ 95 **दिनांकः** 16-12- **2023**

सेवा में,

निदेशक/प्राचार्य,
डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय
से सम्बद्ध समस्त संस्थान।

विषयः– "राष्ट्रीय गणित दिवस" दिनांक 18 दिसम्बर, 2023 से दिनांक 24 दिसम्बर, 2023 तक मनाये जाने के संबंध में

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषय के संबंध में अवगत कराना है कि महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा मा0 कुलपति महोदय को सम्बोधित एवं ई–मेल के माध्यम से प्रेषित पत्र संख्याः AIU/Meet/Misc/2023 दिनांक 08 दिसम्बर, 2023 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जोकि "राष्ट्रीय गणित दिवस" दिनांक 18 दिसम्बर, 2023 से दिनांक 24 दिसम्बर, 2023 तक मनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है, साथ ही पत्र में उल्लिखित "राष्ट्रीय गणित दिवस" मनाने के कार्यक्रम विभिन्न श्रेणियों में आयोजित कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

अतः उक्त के संबंध में आपसे अपेक्षा है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा प्रेषित पत्र दिनांक 08 दिसम्बर, 2023 में की गयी अपेक्षानुसार आवश्यक कार्यवाही कराये जाने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोक्त।

भवदीय

(प्रो0 ओ0 पी0 सिंह)
अधिष्ठाता छात्र कल्याण

पृष्ठांकन संख्या व दिनांकः उपरोक्त।

प्रतिलिपि :–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. कुलसचिव, ए0के0टी0यू0, लखनऊ।
2. परीक्षा नियंत्रक, ए0के0टी0यू0, लखनऊ।
3. जन सम्पर्क अधिकारी, ए0के0टी0यू0, लखनऊ।
4. स्टाफ आफिसर, कुलपति कार्यालय, ए0के0टी0यू0, लखनऊ।

(प्रो0 ओ0 पी0 सिंह)
अधिष्ठाता छात्र कल्याण

डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल
(पूर्व कुलपति, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, हरियाणा)
महासचिव

Dr. (Mrs.) Pankaj Mittal
(Former Vice Chancellor, BPS Women University, Haryana)
Secretary General

भारतीय विश्वविद्यालय संघ
Association of Indian Universities

Through E-mail only

AIU/Meet/Misc/2023
December 08, 2023

Dear Vice Chancellor/Director,

Greetings from AIU!

As you are aware, National Mathematics Day will be celebrated on 22nd December, 2023 to mark the birth anniversary of legendary Indian mathematician, Shri Srinivasa Ramanujan who was born on December 22, 1887. He was a mathematical prodigy whose contributions to the field of mathematics continue to inspire generations of mathematicians and students worldwide. His unparalleled insights and discoveries have left an indelible mark on the landscape of pure mathematics.

Recognizing the significance of his birth anniversary, we request the member universities of the Association to celebrate National Mathematics Day 2023 in honor of the legendary mathematician Shri Srinivasa Ramanujan with great enthusiasm by conducting through various academic and celebratory activities at the university campuses.

In this regard, I am attaching a short note on the life of Shri Srinivasa Ramanujan and various possible ways to commemorate the National Mathematics Day 2023; prepared by Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi.

I am sure that these activities may foster a deep appreciation for mathematics, inspire budding mathematicians, and underscore the importance of mathematical research and innovation amongst the students of your esteemed university.

With warm regards,

Yours sincerely,

(Pankaj Mittal)

All Vice Chancellors/Directors of AIU Member Universities/Institutes

9083
14/12/23

Dean (SW)
13/12
कुलपति

Sri Vishal
14/12/2023

श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव मनाना

राष्ट्रीय गणित दिवस 2023

गणित सप्ताह–18 दिसंबर– 24 दिसंबर, 2023

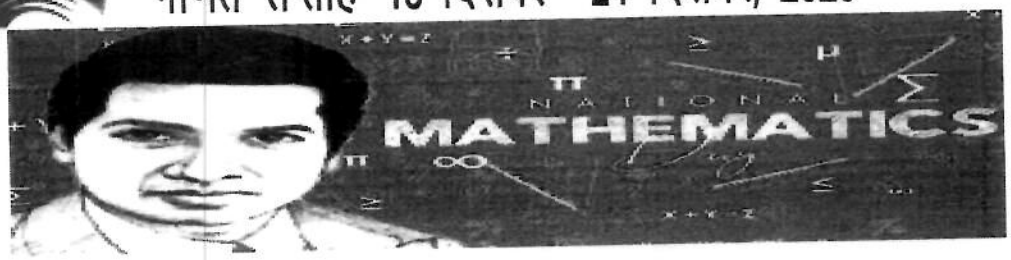

20वीं सदी में जब भारत अंधेरे दौर से गुजर रहा था और भारत के युवाओं का अपनी वैज्ञानिक और गणितीय क्षमताओं के प्रति भरोसा टूट चुका था और वे कम आत्मसम्मान के साये में थे, उथल-पुथल के उस युग में श्रीनिवास रामानुजन सीमाओं और गरीबी से बाहर निकले और गणितीय श्रेष्ठता के शिखर पर पहुँचे।

श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर, 1887 को इरोड में, भारत में एक तमिल ब्राह्मण अयंगर परिवार में हुआ था। उनके पिता, के. श्रीनिवास अयंगर, एक साड़ी की दुकान में क्लर्क के रूप में काम करते थे। उनकी मां, कोमलताम्मल, एक गृहिणी थीं और एक स्थानीय मंदिर में भी गाती थीं। 3 साल की उम्र तक रामानुजन बोलने में सक्षम नहीं थे।रामानुजन का औपचारिक गणित से परिचय 10 साल की उम्र में शुरू हुआ। उन्होंने अद्भुत नैसर्गिक क्षमता का प्रदर्शन किया, और 12 साल की उम्र तक एस एल लोनी द्वारा लिखित उन्नत त्रिकोणमिति पर पुस्तक में महारत हासिल कर ली।

जब वह 15 वर्ष के थे, तब उन्होंने जॉर्ज शूब्रिज कार की सिनोप्सिस ऑफ एलीमेंट्री रिजल्ट्स इन प्योर एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स की एक प्रति प्राप्त की। कार की पुस्तक में परिणामों को सत्यापित करने के बाद, रामानुजन इससे आगे निकल गए, और अपने स्वयं के प्रमेय और विचार विकसित किए। 1903 में उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति प्राप्त की, लेकिन अगले वर्ष उन्होंने इसे खो दिया क्योंकि उन्होंने गणित की खोज में अन्य सभी अध्ययनों की उपेक्षा की।

रामानुजन ने बिना रोजगार और बेहद खराब परिस्थितियों में जीवन जीते हुए भी गणित के प्रति अपना जुनून जारी रखा। 1909 में शादी के बाद उन्होंने स्थायी रोजगार की तलाश शुरू की, जिसकी परिणति एक सरकारी अधिकारी, रामचन्द्र राव के साथ एक साक्षात्कार में हुई। रामानुजन की गणितीय कौशल से प्रभावित होकर, राव ने कुछ समय के लिए उनके शोध का समर्थन किया, लेकिन रामानुजन, दान पर निर्भर रहने के इच्छुक नहीं थे, उन्होंने मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में एक लिपिक पद प्राप्त किया।

1911 में रामानुजन ने अपना पहला पेपर जर्नल ऑफ़ द इंडियन मैथमैटिकल सोसाइटी में प्रकाशित किया। उनकी प्रतिभा को धीरे-धीरे पहचान मिली और 1913 में उन्होंने ब्रिटिश गणितज्ञ गॉड फ्रे एच. हार्डी के साथ पत्राचार शुरू किया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें मद्रास विश्वविद्यालय से विशेष छात्रवृत्ति और ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज से अनुदान मिला। रामानुजन ने 1914 में इंग्लैंड की यात्रा की, जहां हार्डी ने उन्हें पढ़ाया और कुछ शोध में उनके साथ सहयोग किया। वे रॉयल सोसाइटी के फेलो और ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज के फेलो बन गए।

रामानुजन का गणित का ज्ञान, जिसमें से अधिकांश उन्होंने स्वयं विकसित किया था, चौंकाने वाला था। हालाँकि वह गणित में आधुनिक विकास से लगभग पूरी तरह से अनभिज्ञ थे, लेकिन निरंतर भिन्नों में उनकी महारत किसी भी जीवित गणितज्ञ से अप्रतिम थी। उन्होंने रीमैन श्रृंखला, अण्डाकार इंटीग्रल्स, हाइपरजियोमेट्रिक श्रृंखला, ज़ेटा फ़ंक्शन के कार्यात्मक समीकरण और अपसारी श्रृंखला के अपने सिद्धांत पर काम किया, जिसमें उन्होंने अपने द्वारा आविष्कार की गई तकनीक का उपयोग करके ऐसी श्रृंखला के योग के लिए एक मूल्य पाया जो रामानुजन सारांश कहलाया।

रामानुजन को अंग्रेजी गणितज्ञ जी.एच.हार्डी, ने प्राकृतिक प्रतिभा कहा और यूलर और गॉस जैसे गणितज्ञों की श्रेणी में रखा।

1917 में रामानुजन को तपेदिक हो गया था, लेकिन उनकी हालत में बस इतना सुधार हुआ कि उन्हें 1919 में भारत लौटना पड़ा। 1920 में 32 साल की उम्र में बीमारी, कुपोषण और संभवतः यकृत संक्रमण से उनकी मृत्यु हो गई, जो आम तौर पर दुनिया के लिए

अज्ञात था लेकिन गणितज्ञों ने उन्हें मान्यता दी एक अभूतपूर्व प्रतिभा के रूप में, जिसका कोई समकक्ष नहीं। रामानुजन अपने पीछे तीन नोटबुक और पृष्ठों का एक समूह छोड़ गए (जिन्हें "खोई हुई नोटबुक" भी कहा जाता है) जिसमें कई अप्रकाशित परिणाम थे, जिन्हें गणितज्ञों ने उनकी मृत्यु के बाद लंबे समय तक सत्यापित करना जारी रखा।

अपने छोटे जीवनकाल के दौरान, रामानुजन ने स्वतंत्र रूप से लगभग 3900 परिणाम (ज्यादातर पहचान और समीकरण) संकलित किए। उनके अधिकांश परिणाम अब सही साबित हो चुके हैं।

नोबेल पुरस्कार विजेता खगोलशास्त्री सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर ने एक बार बताया था कि कैसे रामानुजन की सफलता ने आधुनिक भारत के संस्थापकों का आत्मविश्वास बढ़ाया था।

दिसंबर 2011 में, गणित में उनके योगदान को मान्यता देते हुए, भारत सरकार ने घोषणा की कि रामानुजन के जन्मदिन (22 दिसंबर) को हर साल राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए, और 2012 को राष्ट्रीय गणितीय वर्ष भी घोषित किया गया।

रामानुजन भारत का गौरव हैं और हमारे राष्ट्र की गणितीय विरासत का प्रतीक हैं। रामानुजन को याद करना और छात्रों को उनके जीवन और कार्य से अवगत कराना कई नए रामानुजनों के अंकुरण के लिए भूमि पर खेती करने और बीज बोने जैसा है।

सभी शैक्षणिक संस्थानों से अनुरोध है कि वे 18 दिसंबर से 24 दिसंबर,2023 तक गणित सप्ताह का आयोजन करके श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव मनाएं। कुछ कार्यक्रम नीचे सुझाए गए हैं। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य संगठनों द्वारा कई और गतिविधियों की योजना बनाई और क्रियान्वित की जा सकती है।

राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने के कार्यक्रम निम्नलिखित श्रेणियों में आयोजित किए जाएंगे:

रामानुजन को याद करते हुए

- रामानुजन के जीवन और कार्यों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित करें
- रामानुजन के जीवन पर फिल्म शो, पॉडकास्ट आदि का आयोजन करें
- रामानुजन के जीवन पर प्रस्तुति प्रस्तुत करें

रामानुजन का पोषण

- रामानुजन के किसी कार्य पर छात्रों द्वारा पेपर प्रस्तुति
- गणित में किसी भी नवाचार पर छात्रों की प्रस्तुति किसी अवधारणा या समाधान या प्रमेयों के प्रमाण को मॉडल, खेल आदि के रूप में प्रस्तुत करना।
- उनके जीवन और कार्य के बारे में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
- गणितीय चुनौती
- पोस्टर प्रतियोगिता
- वैदिक गणित पर कार्यशाला
- गणित में भारत का योगदान विषय पर कार्यशाला

किसी भी सहायता के लिए संपर्क करें

श्री राकेश भाटिया: 9466235578

श्री अनिल ठाकुर : 9540994446

नोट: आपसे अनुरोध है कि गणित सप्ताह की रिपोर्ट निम्नलिखित मेल आईडी पर भेजें:

resourcemaths@gmail.com

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

सरस्वती बाल मंदिर, जी-ब्लॉक, नारायणा विहार, नई दिल्ली-110028

संपर्क: 011-25898023, 9811126445, 9868100445

website: www. shikshautthan.org, Email: atulssun@gmail.com